स्कूल में शेर

फिलिप

एक बार एक छोटी लड़की थी जिसे स्कूल जाना बिल्कुल नापसंद था. वह हमेशा देर से स्कूल के लिए निकलती थी. फिर उसे जल्दी करनी होती थी, लेकिन वो कभी जल्दी नहीं कर पाती थी.

एक सुबह वो हमेशा की तरह जल्दी-जल्दी स्कूल जा रही थी. जब वो मुड़ी तो वहां एक शेर खड़ा था, जिससे उसके रास्ते में रूकावट आई. शेर उसका इंतजार करने लगा. उसने अपनी पीली आँखों से लड़की को देखा. वो अपना मुंह खोलकर घुर्राया और तब छोटी लड़की ने देखा कि उसके दांत कटार और चाकू की तरह तेज थे.

शेर घुर्राया, “मैं तुम्हें खाने जा रहा हूं.”

"अरे बाप रे!” छोटी लड़की ने कहा, और फिर वो बेचारी रोने लगी.

“रुको!” शेर ने कहा. “मैंने अभी अपनी बात खत्म नहीं की है. अगर तुम मुझे अपने साथ स्कूल नहीं ले गयीं, तो मैं तुम्हें ज़रूर खा जाऊँगा.“

“अरे बाप रे!” छोटी लड़की ने कहा. “मैं ऐसा नहीं कर सकती. मेरे टीचर ने कहा है कि हमें स्कूल में पालतू जानवरों को नहीं लाना चाहिए.“

“मैं एक पालतू जानवर नहीं हूँ,” शेर ने कहा.

वो फिर से घुर्राया और उसने गुस्से में तेज़ी से अपनी पूंछ अगल-बगल हिलाई.

शेर ने कहा, "तुम अपनी टीचर से कह सकती हो मैं तुम्हारा एक मित्र हूं जो तुम्हारे साथ स्कूल आया हूँ,"

छोटी लड़की ने कहा, “अब हम चलेंगे?”

छोटी बच्ची ने अब रोना बंद कर दिया.

उसने कहा: “ठीक है. लेकिन तुम्हें मुझसे दो चीजों का वादा करना पड़ेगा.

सबसे पहले तुम किसी को खाओगे नहीं: इसकी अनुमति नहीं है.“

“पर मैं घुर्रा तो सकता हूं?” शेर ने कहा.

“हाँ वो तुम कर सकते हो," छोटी लड़की ने कहा.

“क्या मैं दहाड़ सकता हूँ?”

“क्या तुम्हें दहाड़ना ज़रूरी है?” छोटी लड़की ने पूछा.

“हाँ,” शेर ने कहा.

“फिर मुझे लगता है कि तुम वो भी कर सकते हो,” छोटी लड़की ने कहा.

“और दूसरी बात क्या है?” सिंह से पूछा.

“तुम मुझे अपनी पीठ पर सवार होकर स्कूल लेकर जाओगे.”

“ठीक है,” शेर ने कहा.

फिर शेर फुटपाथ पर बैठ गया और छोटी लड़की उसकी पीठ पर चढ़ गई. फिर वे एक-साथ स्कूल गए. शेर की सवारी करने वाली शायद वो पहली छोटी लड़की थी.

शेर अपनी पीठ पर छोटी बच्ची को लिए स्कूल की तरफ दौड़ा. फिर भी, उन्हें पहुँचने में देर हो गई. छोटी लड़की और शेर जब कक्षा में घुसे तब टीचर बच्चों की हाज़री ले रही थी.

छोटी बच्ची और शेर को देखकर टीचर ने हाज़िरी लेना बंद कर दी. वो शेर को घूरती रहीं, और बाकी सभी बच्चे भी शेर को घूरते रहे. फिर टीचर ने छोटी लड़की से कहा: “तुम्हें पता है कि पालतू जानवरों को स्कूल लाने की अनुमति नहीं है.”

ABCDEFG

शेर ने अपनी पूंछ को ज़ोर से हिलाना शुरू कर दिया! छोटी लड़की ने कहा: “यह शेर पालतू नहीं है. यह मेरा दोस्त है जो मेरे साथ स्कूल आया है.“
टीचर अभी भी शेर को घूर रही थी, लेकिन फिर उन्होंने छोटी लड़की से पूछा: “उसका नाम क्या है?”
“नोइल,” छोटी लड़की ने कहा. “उसका नाम है नोइल, बस नोइल.” वह जानती थी कि शिक्षक को यह बताना अच्छा नहीं होगा कि उसका दोस्त एक शेर था, इसलिए उसने शेर यानि LION के नाम को उल्टा करके NOIL कर दिया.
टीचर ने हाज़री रजिस्टर में नाम लिखा: NOIL.
फिर उसने हाज़िरी लेने का काम समाप्त किया.

“बेट्टी स्मॉल,” टीचर ने कहा.
“हाँ,” छोटी लड़की ने कहा.
“नोइल - NOIL,” शिक्षक ने बुलाया.
“हाँ,” शेर ने कहा. शेर ने अपना मुंह जितना संभव था उतना बड़ा खोला, ताकि टीचर उसके धारदार और चाकू की तरह तेज दांतों को देख सके.
उसके बाद शेर छोटी लड़की के बगल वाली कुर्सी पर बैठ गया.
वो बिल्कुल एक बड़ी बिल्ली की तरह बैठा. उसकी पूंछ उसके सामने के पंजों पर रखी थी.
जब तक टीचर ने उससे कुछ बात नहीं पूछी तब तक शेर कुछ भी नहीं बोला. वो घुर्राया नहीं, वो दहाड़ा भी नहीं. खेल के समय छोटी लड़की और शेर खेल के मैदान में चले गए.

सभी बच्चों ने शेर को घूरने के लिए खेलना बंद कर दिया. फिर कुछ देर बाद वे फिर से खेलने लगे. छोटी लड़की खेल के मैदान के एक कोने में खड़ी थी, उसके साथ में शेर था.

“हम दूसरों की तरह क्यों नहीं खेलते?” शेर ने पूछा.

छोटी लड़की ने कहा: “मुझे खेलना पसंद नहीं है क्योंकि कुछ बड़े लड़के मुझ पर बहुत दादागिरी करते हैं. वे बिना मतलब के मुझे मारते और परेशान करते हैं.“

शेर घुर्राया. उसने कहा, "मैं उन्हें ठीक कर दूंगा."

“एक बड़ा लड़का है - बहुत बड़ा,” छोटी लड़की ने कहा. “उनका नाम जैक टाल है. वो बिना मतलब के मुझे मारता है, धक्का देता है.“

“वो कौन है?” शेर ने पूछा. “जरा इशारे से मुझे बताओ.”

छोटी लड़की ने जैक टाल की ओर इशारा किया.
“ठीक है!” शेर ने कहा. “तो वो है जैक टाल.”
कुछ देर में फिर से घंटी बजी, और सभी बच्चे वापस अपनी-अपनी कक्षाओं में चले गए. शेर छोटी बच्ची के साथ गया और उसके पास बैठ गया. फिर बच्चों ने दोपहर के खाने तक लिखा. शेर भूखा था, इसलिए वो अपने भोजन की तस्वीर बनाना चाहता था.
“दोपहर के खाने में क्या होगा?” उसने छोटी लड़की से पूछा. “मुझे उम्मीद है कि तब मुझे मांस खाने को मिलेगा.”
“नहीं,” छोटी लड़की ने कहा. “आज मछली मिलेगी क्योंकि आज शुक्रवार का दिन है.”

फिर छोटी लड़की ने शेर को पीले रंग का क्रेयॉन अपने पंजे में पकड़कर मछली बनाना सिखाई. अपनी तस्वीर के नीचे शेर ने लिखा: “मुझे मछली से ज़्यादा मांस पसंद है.”

फिर दोपहर के खाने का समय हो गया. शेर छोटी बच्ची के बगल में खाने की मेज पर एक कुर्सी पर बैठ गया.

शेर ने बहुत तेजी से खाना खाया और आखिर में उसने कहा: “मुझे अभी भी भूख लगी है; और मेरी इच्छा कुछ मांस खाने की है.“

दोपहर के खाने के बाद सभी बच्चे खेल के मैदान में चले गए.

सभी बड़े लड़के भाग रहे थे, और सबसे बड़ा लड़का, जैक टाल, छोटी लड़की की तरफ दौड़ता हुआ आया. वह गोल-गोल दौड़ रहा था, और धीरे-धीरे करके छोटी लड़की के करीब आ रहा था.

“यहाँ से चले जाओ,” शेर ने कहा. “तुम मेरे दोस्त को मार सकते हो. चले जाओ यहाँ से.”

“मैं नहीं जाऊँगा,” जैक टाल ने कहा.

छोटी लड़की शेर के पीछे जाकर छिप गई. जैक टाल अब और करीब आ रहा था. फिर शेर घुर्राया. तब जैक टाल ने शेर के चाकू की तरह तेज दांतों को देखा. उसने दौड़ना बंद कर दिया. वो खड़ा रहा. वो घूरता रहा.

शेर ने अपना मुंह चौड़ा किया - इतना चौड़ा कि जैक टाल उसका गला देख सकता था. शेर का मुंह एक गहरी और अंधेरी सुरंग की तरह था. फिर जैक टाल के चेहरे का रंग पीला पड़ गया.

उसके बाद शेर ज़ोर से दहाड़ा.

शेर काफी देर तक दहाड़ता रहा.
उसकी दहाड़ सुनकर स्कूल के सभी टीचर बाहर निकल आये. सभी बच्चों ने खेलना बंद किया और अपनी उंगलियों से कानों को दबाया. और सबसे बड़ा ताकतवर लड़का - जैक टाल वहां से दौड़कर भागा. उसने अपने घर की ओर रुख किया और फिर वहीँ जाकर रुका.
उसके बाद छोटी बच्ची शेर के पीछे से निकली.
“ठीक है,” उसने कहा, “अब मैं उसके बारे में ज्यादा नहीं सोचूंगी. मैं उससे फिर कभी नहीं डरूंगी.“
“मैं भूखा था,” शेर ने कहा, “मैं उस लड़के को आसानी से खा सकता था. पर मैंने तुमसे वादा किया था.“
“और उसकी माँ यह बिल्कुल पसंद नहीं करती,” छोटी लड़की ने कहा.

“अब दोपहर के बाद के स्कूल का समय है.”

शेर ने कहा, "मैं दोपहर के स्कूल के लिए नहीं रुकूंगा."

छोटी लड़की ने कहा, “ठीक है, सोमवार को फिर मिलेंगे.“

लेकिन शेर ने कोई जवाब नहीं दिया. वो बस वहां से चला गया.

सोमवार को शेर स्कूल नहीं आया. खेल के समय, मैदान में, सबसे बड़ा लड़का छोटी लड़की से मिलने आया.

“इतनी जोर से घुर्राने वाला तुम्हारा दोस्त आज कहां है?” उसने पूछा.

“वो आज नहीं आया है,” छोटी लड़की ने कहा.

“क्या वो किसी और दिन आएगा?” सबसे बड़े लड़के ने पूछा.

“हो सकता है,” छोटी लड़की ने जवाब दिया. “यह बिल्कुल संभव है. तुम ज़रा सावधान रहना, जैक टाल.“

समाप्त